DailyBalodNews

(यह डेली बालोद न्यूज का ई प्रिंट है, खबरों और विज्ञापन प्रकाशन हेतु वॉट्सएप करें 9755235270 पर)   हमारा न्यूज पोर्टल: dailybalodnews.com

Dailybalodnews. com

दीपक यादव को इलाज में सहयोग करने यह कोड स्कैन करें या 7440235155 या 9755235270 पर फोन पे अपनी इच्छानुसार करें। धन्यवाद

फोटो स्टोरी

अनूठा मंदिर: मनोकामना पूरे होने पर यहां चढ़ाए जाते हैं मिट्टी के घोड़े

बालोद| ये मंदिर है बालोद जिले में ग्राम घीना के डैम किनारे स्थित हरदेलाल का. जहाँ लोगों में विशेष आस्था है. यहां लोग अपनी मनोकामना पूरा होने पर भेंट स्वरुप हरदेलाल देव को मिट्टी के घोड़े अर्पित करते हैं. हर साल देव दशहरा पर यहां मेला का आयोजन होता है. उसी दौरान जितने लोगों की मन्नते पूरी हुई होती है, वे यहां आते हैं और घोड़ा चढ़ाते हैं. स्थानीय विधायक कुंवर सिंह निषाद सहित शासन प्रशासन के प्रयासों से यहां अब धीरे धीरे विकास कार्य हो रहें हैं. यहां जाने के लिए अब पक्की सड़क बन गई है. मंदिर परिसर में सौर लाइट लग चुके हैं तो सौर ऊर्जा चलित पानी टंकी भी लग चुकी है. अर्पित किए गए घोड़ों को सुरक्षित रखने की भी सुविधा है. यहां का दृश्य अलग ही नजर आता है. ग्रामीण बताते हैं कि हरदेलाल कोई अवतारी पुरुष थे. जो कभी घोड़े में आये थे और यहां रहते थे. उन्होंने कई चमत्कार दिखाए. लोगों की दुःख तकलीफें दूर की. उनके जाने के बाद लोगों ने इस जगह को सहेजना शुरू किया और आज यह मंदिर बनाकर लोग उनके प्रति आस्था व्यक्त करते हैं. यह आसपास के सात गांव का ईष्ट देव भी है. ग्रामीण इस जगह को धार्मिक पर्यटन स्थल घोषित करने की भी मांग करते आ रहे हैं. यहां पहुँचने के लिए आपको अर्जुन्दा से बोरगहन परसवानी घीना होकर जाना पड़ता है फिर पापरा कसही मार्ग से भी जा सकते हैं.

राम जानकी सेवा समिति कुसुमकसा के द्वारा किया गया 101 वृक्षारोपण

बालोद| कुसुमकसा के बाजार तालाब के किनारे एक सौ एक पौधे का रोपण किया गया. समिति के सारे सदस्य एक एक पौधे के जिम्मेदारी के साथ तालाब पारा के रहवासी भी पौधे को संभालने की जिम्मेदारी हम सब निर्वाह करने की भी शपथ लिए. समिति के अध्यक्ष गौरी शंकर साहू ने सभी को शपथ दिलाई. समिति के संरक्षक संतोष जैन ने बताया कि स्वच्छ वातावरण और बढ़ते गर्मी से बचाव के लिए हम सभी समिति के द्वारा आज वृक्षारोपण किए है. जनपद सदस्य संजय बैंस ने समिति के सभी सदस्यों का आभार मानते हुए सभी लोगो को बधाई दिए बैंस ने कहा कि पुनीत कार्य हम धरती मां को संवारने की जिम्मेदारी हम सब की है. आगे भी जगह देखकर आगे भी यह पुनीत कार्य को राम जानकी के साथियों के साथ किया जाएगा. इस वृहद वृक्षारोपण के इस कार्य में डॉक्टर नसीम खान गांधी सिन्हा मोनू गुप्ता पप्पू साहू वीरेंद्र सिन्हा सुगरा बेगम जरीना बेगम राजा गुप्ता नितिन जैन गजेंद्र सिन्हा मयंक जैन बब्बू जेठवानी अनिल जेठवानी मोती कुचेरियां श्रीमती खेमिन निर्मलकर पुष्पजीत बैंस दीपक यादव मोनू परिहार विक्की कुचेरिया आशीष कुचेरिया चंकी जेठवानी मनीष जेठवानी कमलेश्वर सिन्हा दिनेश जैन देवराज जैन उपस्थित रहे.

एक ठग ऐसा भी: जंगल में जाकर करता था ऑनलाइन फ्राड, एटीएम से पैसे निकाल कर रखता था अलमारी में, बालोद पुलिस ने पकड़ा, ठगी के 24 लाख रकम जब्त

साइबर काइम के गढ़ नवादा (बिहार) से आरोपी हुआ गिरफ्तार, दल्ली राजहरा के व्यक्ति से किया था 25 लाख की ठगी

बालोद

बालोद। बालोद जिला पुलिस के तहत राजहरा पुलिस और साइबर सेल के संयुक्त प्रयास से बिहार से साइबर क्राइम के मुख्य आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। आरोपी सोनू कुमार द्वारा थाना दल्ली राजहरा के प्रार्थी से 24,92,000 रू की ठगी किया था। आरोपी के कब्जे से 24 लाख नकद बरामद हुआ। 03 नग मोबाईल फोन, बैंक एटीएम 03 नग, बैंक पासबुक 03 नग भी बरामद हुआ है। बिहार का नवादा जिला के ग्राम महरत, शेखापुरा सराय, कतरीसराय, पांची साइबर अपराधी का बड़ा गढ़ माना जाता है। जो आस पास के गांव से ठग रोज बीहड़ जंगल जाकर भोले भाले लोगों को अपना शिकार बनाते है। आरोपी द्वारा कोरियर के नाम पर, जीएसटी के नाम पर, इनकम टैक्स के नाम पर कॉल कर ठगी करता था। बालोद पुलिस द्वारा साइबर सेल एवं थाना राजहरा से विशेष टीम बनाकर आरोपी की तलाश में बिहार के गया एवं नवादा जिला की ओर रवाना हुई थी। बालोद पुलिस द्वारा ग्रामीण वेशभूषा में जंगल में जाकर आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाईल फोन व आम लोगों के नाम, पता, मोबाईल नम्बर वर्शित डाटा भी मिला है। आरोपी द्वारा फेक खाता, फेक आधार का इस्तेमाल कर किया था। ठगी बालोद पुलिस ने एटीएम के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तकनीकी साक्ष्य से आरोपी को पहले चिन्हित किया था। शनिवार को पुलिस ने मामले का खुलासा किया। पुलिस टीम द्वारा गया बिहार जाकर खाता व आधार की जानकारी लेने पर वहां अज़ात आरोपी के दिये निवास पर जाने से वहां उस व्यक्ति के नाम का कोई नहीं होना पाया गया। खाता धारक के आधार व बैंक खाता से संबंधित कोई भी साक्ष्य वहां नहीं मिलने पर टीम द्वारा जिला नवादा शेखपुरा एवं जिला नालंदा बरविगा जाकर वहां पर लगे एटीएम मशीन से सीसीटीवी फुटेज प्राप्त किया गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज़ात व्यक्ति की पहचान करने टीम द्वारा कैम्प किया गया। जिसके बाद भी आरोपी के संबंध में कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। टीम द्वारा ठगी करने वाले संदिग्ध गांव का पता करने पर ग्राम महरत, शेखपुरा सराय, कतरीसराय, पांची के कुछ ठग इस प्रकार की ठगी करते है ऐसा पता चला। टीम द्वारा जिला नवादा थाना शाहपुरा क्षेत्र के ग्राम महरत के बीहड़ जंगल में ग्रामीण वेशभूषा धारण कर वहां कैंप कर आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त किया गया। एटीएम से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज से गांव के लोगों से पूछताछ कर आरोपी के संबंध में पता तलाश का प्रयास किया गया। किन्तु आरोपी के संबंध में कोई विशेष सुराग नहीं मिल पा रहा था। तब टीम द्वारा जंगल की ओर जाकर वहां दो तीन लोगों से पूछताछ करने पर सीसीटीवी फुटेज में आये आरोपी की पहचान कर आरोपी सोनू कुमार पिता रविभूषण भूमियार उम्र 19 साल पता ग्राम महरत थाना शाहपुर जिला नवादा बिहार को जंगल से टीम द्वारा घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने अपने कथन में बताया कि उनके द्वारा फर्जी तरीके से पश्चिम बंगाल से सिम कार्ड खरीद कर और ग्राम डेल्हा जिला गया में फर्जी बैंक खाता खुलवाया था। तथा फेसबुक के माध्यम से छत्तीसगढ़ का मोबाईल नम्बर प्राप्त कर उन्हें किसी भी प्रकार से ठगी करता है।

आरोपी ने बताया कि नजदीक के शेखपुरा व बरबीघा के एटीएम में जाकर धोखाधड़ी से प्राप्त रकम को अपने घर के अलमारी में सुरक्षित रखा है। जिसे आरोपी के निशानदेही पर टीम द्वारा स्थानीय थाना शाहपुर से मदद लेकर रेड कार्यवाही कर आरोपी के कब्जे से विधिवत जब्त किया गया एवं घटना में प्रयुक्त 03 नग मोबाईल जप्त किया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

कब ,कैसे हुई थी ठगी

बताया गया कि प्रार्थी शुभम ठाकुर निवासी पथराटोला थाना राजहरा ने दिनांक 22.05.2024 को थाना राजहरा आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि किसी अज़ात मोबाईल 6289235775 व 7294007436 धारक द्वारा उसके मोबाइल पर फोन कर मुंबई मेन ब्रांच से बोल रहा हूँ आपका आरबीआई चार्ज, जीएसटी चार्ज, इनकम टैक्स बाकी है जो जमा नहीं करने पर आपके खाते का पूरी राशि सरकारी खाते में चला जायेगा जो वापस नहीं आयेगा कहने पर प्रार्थी अज़ात व्यक्ति के झांसे में आकर दिनांक 17.02.2024 से 06.05.2024 तक यूपीआई के माध्यम से अज़ात व्यक्ति के बताये हुए खातों में कुल 24 लाख 92 हजार रुपए रकम डाला गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना राजहरा में धारा 420 भादवि 66 डी आईटी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

टीम का हुआ था गठन

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग श्री राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक, श्री एस आर भगत के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार जोशी के पर्यवेक्षण में सीएसपी राजहरा श्रीमती चित्रा वर्मा व एसडीओपी बालोद श्री देवांश सिंह राठौर के नेतृत्व में थाना राजहरा के उक्त केस मे अज़ात आरोपियों के पतासाजी हेतु सायबर सेल बालोद व थाना राजहरा के द्वारा अज़ात आरोपी के संबंध में तकनीकी साक्ष्य, बैंक डिटेल केवाईसी डिटेल, बैंक एटीएम सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर आरोपी का लोकेशन नवादा बिहार का होना पाया गया। आरोपी के पतासाजी हेतु सीएसपी राजहरा श्री देवांश सिंह राठौर के नेतृत्व में थाना प्रभारी राजहरा श्री सुनील तिर्की के हमराह सायबर सेल व थाना राजहरा से 05 सदस्यीय विशेष टीम बना कर आरोपी पतासाजी हेतु बिहार रवाना किया गया था।

इनकी रही विशेष भूमिका

नवादा बिहार जाने वाली टीम में थाना प्रभारी राजहरा निरीक्षक श्री सुनील तिर्की स०उ०नि कांताराम घीलेन्द्र प्रधान आरक्षक विवेक शाही, आरक्षक भोप सिंह साहू, आरक्षक पूरन देवांगन की सराहनीय भूमिका रही है। इसी तरह तकनीकी टीम प्रभारी सायबर सेल श्री जोगेन्द्र साहू, आरक्षक रूमलाल चुरेन्द्र, आरक्षक मिथलेश यादव, आरक्षक योगेश पटेल, आरक्षक गुलझारी साहू, आरक्षक विपिन गुप्ता ने मेहनत की।

आत्मानंद विद्यालय की लोकप्रियता निजी स्कूलों से भी कहीं बेहतर है - कुंवर सिंह निषाद

● **शहर का नाम :** बालोद| शाला प्रांगण ग्राम गुरेदा में प्रवेश उत्सव एवं लोकार्पण और ग्राम सकरौद में संकुल स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के आयोजन में गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद जी ने पहली छठवीं और नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों को तिलक लगाकर और मिठाई खिला कर उनका स्वागत किया। शाला प्रवेश उत्सव के दौरान बच्चों को पाठ्य पुस्तक और स्कूल ड्रेस का वितरण भी किया गया। इस दौरान विधायक ने सभी विद्यार्थियों और नवप्रवेशी बच्चों को "शाला प्रवेशोत्सव" पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए और बच्चों को अपने उचित मार्गदर्शन से संस्कारवान बनाने वाले सभी शिक्षकों का भी अभिनंदन किए। इस दौरान गुरेदा में शासकीय प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला के नवीन भवन का लोकार्पण किया गया। विधायक ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम और हिन्दी माध्यम स्कूल शुरू किए गए हैं। इन विद्यालयों की लोकप्रियता निजी स्कूलों से भी कहीं बेहतर है। हमारी सरकार ने बच्चों को अंग्रेजी भाषा सीखाने पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पूरे आत्मविश्वास के साथ खड़े हो सके। आगे बढ़ने की उम्मीद के साथ अपने सपनों को साथ लिए मेहनत कर रहे इन बच्चों से उम्मीदे सभी को होती है. सरकार और अभिभावकों की एक बड़ी जिम्मेदारी होती है कि इन बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलने के साथ ही उनका व्यक्तित्व विकास भी हो। शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीमती सोना देवी देश लहरा जी अध्यक्ष जिला पंचायत बालोद, भोजराज साहू जी अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गुंडरदेही,रामसागर सिन्हा मोंटू चंद्राकर , मानसिंह देशलहरा , टामेश्वर देशमुख , सागर साहू , हेमंत निषाद एवं प्राचार्य, संकुल समन्वय, प्रधान पाठक, शिक्षक गण एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विचार मंथन - "एक नई आशा"

जब हम आस-पास या खुद को ही देखते है, तो बीते कुछ वर्षों में सुविधाएं बहुत तेजी से बढ़ी हैं। पर उतनी ही तेजी से लोगों में अकेलापन,तनाव, हताशा और निराशा भी बढ़ी है। समझ का स्तर तो बढ़ता जा रहा है। पर हम धैर्यता के न्यूनतम स्तर को जी रहे हैं। हमारे पास जीने के संसाधन तो बहुत हो गए हैं, पर जीने के उद्देश्य सिमट से गए हैं। इसलिए आज हम सब खुद को ज्यादा दुखी और अकेला महसूस करते हैं। क्योंकि हमारे पास अधिकारों की तो लंबी लिस्ट है, लेकिन कर्तव्यों की लिस्ट शायद ही कोई जेब में रखता हो। इसी को समर्पित ये विचार मंथन - भाग 3 .....

मैं एक नई आशा देती हूं,क्या तुम जी कर दिखलाओगे?
शांत और आनंदित रहकर,,क्या खिल-खिलकर मुस्काओगे?

खोल देना सारी खिड़कियां मन की;और ताजी श्वास लेना तुम।
बांध गठरी कुत्सित विचारों की कहीं दूर फेंक देना तुम।।
खाली कर लेना मन का खारा-सागर।
और मृदु नीर अच्छे विचारों कीहदय में भर लेना तुम।।
न द्वेष रहे ना क्लेश रहें,मन लोभ-मोह से खाली हो ।
जीवन को भर दो खुशियों से,तुम खुद इस वन-उपवन के माली हो ।।
ना हो घुसपैठ अहंकार का ,हो सत्कार अच्छे व्यवहार का।
पल-पल, कल-कल बहें प्रेम नीर,,खुशबू फैले अच्छे विचार का।
खुद जीवन के मालिक तुम हो,औरों का शब्द जहर ना पिया करों।
बड़े भागी ये मानुष तन है,,छोड़कर चिंता हर पल को जीया करों।।
जो है ,वो है इसी धरा पर,हर क्षण में स्वर्ग समाया है।
फिर भी है गमगीन क्यों बैठा?सोच ,क्या करने यहां तू आया है।।
जीवन है कुछ लम्हों का ही,कुछ हल्का,कुछ भार भी होगा।
खुशियां तेरे कदम चुमेगी,,जब दुःख से लड़ने को तैयार भी होगा।।
क्यों रो-धोकर इन लम्हों को;ऐसे ही मुफ्त गंवाता है।
हीरा जन्म मिला अनमोल,तू कौड़ी बदले जाता है।।
उठ ,खड़ा हो अपने कदमों परक्यों दर-दर शीश झुकाता है।
अपनी मदद खुद करने वाला ही,औरों की मदद कर पाता है।।
इस दुनिया की आपा-धापी में,,कुछ वक्त तुम्हारा अपना है।
कुछ खुद को भी समय दे दो,,जी लो जो तुम्हारा सपना है।।
कब वक्त गुजर जाएगा पता नहीं,कोई गीत पसंद का गाओ तुम।
हैं अंत में सबको जलना हीयूं घुट-घुट रोज न खुद को जलाओ तुम ।।
कुछ मस्त रहो,कुछ काम करो,कभी थको अगर,तो आराम करों।
अपने तक ही सीमित ना रहो,जब नमक देश का खाया है।
कभी देखों उन परिवारों को भी,जिसने देकर अपने वीर सपूत,भारत मां का परचम लहराया है।।
कुछ जोश भरो खुद के सीने में,कुछ औरों को जोश दिलाओ तुम।
जो बने मिशाल सबके हृदयों में,कुछ ऐसा देशहित में कर दिखलाओ तुम।।
मैं एक नई आशा देती हूं,क्या तुम जी कर दिखलाओगे?
शांत और आनंदित रहकर,,क्या खिल-खिलकर मुस्काओगे?

1 जुलाई...संविलियन दिवस...शिक्षा कर्मियों के लंबे संघर्ष के बीच का एक राहत भरा पड़ाव का दिवस :दिलीप साहू, जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन, जिला- बालोद (छत्तीसगढ़)

संविलियन दिवस पर एक लेख...

शिक्षाकर्मी से शिक्षक पंचायत, शिक्षक पंचायत से शिक्षक एल बी पदनाम के साथ शासकीय शिक्षक बनने के लिए संघर्ष, शून्य से शिखर तक पहुंचना, नियमितीकरण, संविलियन से पेंशन तक, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक, शिक्षक, माध्यमिक शाला प्रधानाध्यापक से लेकर अब व्याख्याता व प्राचार्य पदोन्नति की दिशा में संघर्ष की बदौलत मिले सफलता व उपलब्धि तथा सुविधा के एक एक कदम, 20-22 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद 1 जुलाई 2018 को शिक्षा विभाग में संविलियन की शुरुआत हम शिक्षा कर्मियों के लिए बदलाव का एक नया दिवस रहा है! कई पदनाम बदले, पर शिक्षा कर्मी के रूप में संघर्ष पर विभाग में स्थायीकरण की दिशा में संविलियन से प्रदेश के शिक्षा कर्मियों को एक राहत का अहसास हुआ!

अविभाजित मध्यप्रदेश में 1998 से शिक्षा कर्मी प्रथा की शुरुआत हुई! 1994-95 से अस्थायी रूप से 1-1 सत्र के लिए पीड़ा दायी सत्रांत माह अप्रैल में सेवा समाप्ति की शर्त पर 500 रू की अल्प मासिक मानदेय पर कार्य कर रहे हम शिक्षा कर्मियों को 1998 में नियमित वेतनमान में नियुक्त कर सेवा नियमित करने नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया से गुजरना पड़ा! जिसमें पूर्व सेवा के आधार पर बोनस अंक निर्धारण व लाभ देकर नियुक्त किया गया! 1998 व उससे पूर्व से ही संगठित होकर नियमित शिक्षकों के समान सुविधा, वेतनमान, नियमितीकरण के लिए संघर्ष व आंदोलनों की शुरुआत हो चुकी थी! उस समय अविभाजित मध्यप्रदेश में हम शिक्षाकर्मियों की संख्या लगभग 28 हजार थी! संघर्ष के शुरुआत दौर से ही ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर प्रदर्शन, आंदोलन से अपनी मांगों को रखते रहे! प्रदर्शन व आंदोलन के तरीके भी बहुत कष्टदायी व अनूठे रहे! कभी आमरण अनशन, जल में प्रदर्शन, मंदिर में ज्ञापन, जमीन पर लोटते हुए मंदिर तक पहुंचना ,भूख हड़ताल,सामूहिक मुंडन ,जेल भरो आंदोलन, एक दिवसीय, अनिश्चितकालीन आदि सभी तरीके मांगों के लिए अपनाए गए! जेल गए, लाठियां खाई, एस्मा का दंश झेला!

जय स्तंभ चौक रायपुर में ऐतिहासिक प्रदर्शन, सेंट्रल जेल में प्रदर्शन,मोती बाग में आमरण अनशन, भिन्न भिन्न जेलों में प्रताड़ना सहित कई प्रदर्शन स्मरण मात्र से सिहरन पैदा करता है! आंदोलन व संघर्ष का ही परिणाम रहा कि 2003 में नया वेतनमान, पदोन्नति की शुरुआत, 2005-2006 में नया वेतनमान, 2012 में समयमान वेतनमान, 2013 में पुनरीक्षित वेतनमान व आगे 6 वे व 7 वे वेतनमान का लाभ मिलने लगा! परंतु प्रत्येक वेतन सुधार में नियमित शिक्षकों की तुलना में विसंगति पूर्ण वेतनमान व विसंगति पूर्ण निर्धारण पीछा ही नहीं छोड़ रही थी! बढ़ती महंगाई व भविष्य की चिंता हर एक शिक्षा कर्मियों को शिक्षा विभाग के नियमित कर्मचारियों के समान सुविधा व वेतनमान के लिए संघर्ष करने मजबूर कर रहा था! नियमितीकरण, समान कार्य- समान वेतन, संविलियन आदि समय के साथ मांगे बदलती गई! इसी बीच नई भर्तियां होती रही, शिक्षा कर्मियों का कुनबा भी बढ़ा व बढते बढते लगभग पौने दो लाख तक पंहुच गया! संगठित होते रहे, संघर्ष और तेज होने लगा, संघर्ष के लिए बने संगठन व समूह में बिखराव भी हुआ, नए संगठन भी बने, परंतु मांगों पर सहमति बनाकर साझा मंच से बड़े बडे आंदोलनों व संघर्ष का दौर चलने लगा! हर आंदोलन से लाभ ही मिला, चाहे वेतन में 100 रू का न्यून बढोत्तरी की घोषणा हो या 7 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति की शुरुआत, अंशदायी पेंशन, अनुकम्पा नियुक्ति, अग्रेसिया राशि प्रावधान, स्थानांतरण,समयमान वेतनमान का लाभ मिलने लगा! धीरे धीरे छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े कर्मचारी संगठन के रूप में हर मुद्दे व विषय को सरकार के समक्ष बड़ी मजबूती से रखा व सरकार को सोचने व निर्णय लेने मजबूर भी किया! हम शिक्षाकर्मियों के आंदोलन में ऐसा भी निर्णय का समय भी आया कि कर्मचारी जगत में सोचनीय निर्णय हुआ. आंदोलन के दौर में शून्य पर आंदोलन से वापसी का निर्णय भी लिया गया! उक्त आंदोलन के दौरान लगभग 18-19 शिक्षक दिवंगत भी हुए! पर शून्य पर वापसी का निर्णय भी देर तलक परिणाम में तब्दील हुआ और सरकार को 2018 में शिक्षा विभाग में अलग एल बी कैडर के साथ संविलियन की घोषणा करने मजबूर भी होना पड़ा! तत्कालीन मुख्यमंत्री रमन सिंह ने प्रदेश के शिक्षाकर्मियों को एक जनसभा में अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में शिक्षा विभाग में संविलियन की घोषणा की! पूरे प्रदेश के हम शिक्षा कर्मियों में खुशियाँ छा गई! कैबिनेट में निर्णय व जारी आदेश पर 8 वर्ष के बंधन से कुछ साथी नाराज भी हुए, आगे परिस्थितियां बदली, सभी को लाभ की मांगों का भी दौर चला! आखिर में 2 वर्ष की सेवा में सभी के संविलियन का अच्छा निर्णय व घोषणा पूर्व की सरकार ने की!व लगभग 300 शिक्षा कर्मियों को छोड़कर सभी शिक्षा कर्मी विभागीय संविलियन के दायरे में आ गए,, यह भी एक ऐतिहासिक निर्णय हुआ! संविलियन की घोषणा व निर्णय से हम शिक्षा कर्मियों को अपने भविष्य पर स्थायीकरण का एक पडाव मिला! यूँ कहें कि 500-600 रू से 50-60-70 हजार तक के वेतन तक पहुंचने, अन्य सुविधाओं को पाने, 1-1 रू के लिए संघर्ष ही एकमात्र रास्ता रहा! सरकारें बदलती रहीं, कई कमेटियां बनी, संघर्ष में कई शिक्षक साथियों की शहादते हुई, पर आज भी इन 25-26 वर्षों की संघर्ष यात्रा में संविलियन के पड़ाव के बीच अभी भी कई मुद्दे व विषय है, जिस पर निर्णय लेने की आवश्यकता है! प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना न होना, पेंशन व क्रमोन्नति पर पूर्व सेवा का लाभ न मिलना, वेतन विसंगति दूर न होना, समय पर पदोन्नति नहीं किया जाना आदि मुद्दे अभी भी संघर्ष को आमंत्रित कर रहा है, धरातल पर रणनीतियां भी बन रहीं हैं! सबसे ज्यादा तकलीफ आज भी संघर्ष की शुरुआत करने वाले 1998 से नियुक्त शिक्षा कर्मियों की है.. न पुरानी पेंशन का लाभ.. न क्रमोन्नति का प्रावधान.. वर्ग-1 के लिए पदोन्नति भी नही.. वेतन विसंगति में सुधार पर निर्णय नहीं.. ये सभी विषय आज भी पीड़ा दे रही है! व बिना लाभ सेवानिवृत्ति भी हो रही है! यूँ कहें कि हम शिक्षा कर्मियों का पूरा सेवाकाल संघर्ष का रहा है, कई साथी बिना पेंशन व लाभ के सेवानिवृत्त हो रहे हैं! अभी भी सरकार को शिक्षक एल बी संवर्ग के लाभ, सुविधा, मांग व मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेने की आवश्यकता है! पर संविलियन ने संघर्ष पर एक राहत जरूर दी है, पर पूर्ण नहीं.. संघर्ष की गाथा तो अगाध है.. कहना बहुत है पर अंत में..

वो कहते रहे.. ये नहीं होगा... ये असंभव है..

पर हारे नहीं.. हौसला टूटा नहीं...थके नहीं.. संघर्ष करते रहे.. और संविलियन ले लिया..

आप भी भेज सकतें हैं डेली बालोद न्यूज़ के लिए अपना लेख ये हैं हमारे नम्बर 9755235270/7440235155

चल रे जिनगी - राकेश कुमार साहू सिंघरापारा सहसपुर लोहारा कवर्धा

चल रे जिनगी तोर का ठिकाना हे,
ये दुनिया म सबो ला आना जाना हे।
कभु राजा त कभु रंक हो जाना हे,
चल रे जिनगी तोर का ठिकाना हे।

आज छप्पन भोग त कल कभू अउ खाना हे,
आज एखर त काल ओखर पारी हे।
सब के जाना हावै परसो तोर पारी हे,
करम के लिखे करम ला इहेंच भुगतना हे।
चल रे जिनगी तोर का ठिकाना हे...

माटी के चोला माटी म मिल जाही,
गरब अउ गुमान सँगी सब इहेंच छुट जाही।
सँगी साथी तोर संग नइ जाही,
सब इहेंच छुट जाही।
मन म झन राखबे अभिमान ,
सब इहेंच सिमत जाना हे।
चल रे जिनगी तोर का ठिकाना हे...

संग नइ जावय सुनलै,
तोर सोना धन दौलत ह।
धरम करम पुन करलै,
तोर संग म रहय करम भाग ह।
चार दिनिया जिनगी म जुरमिल जाना हे,
आज आना अउ आज कले जाना हे।
चल रे जिनगी तोर का ठिकाना हे...

राजिम प्रयाग महिमा - नारायण चंद्राकर भारत विभूति आल्हा गायन दल रिसाली भिलाई

राजिम बहू तेल बेचे बर जाय।
आल्हा
राजिम प्रयाग में तीन धार मिले, पैरी सोढूर महानदी रहाय।
माता राजिम भक्तिन के कथा, भगवान पथरा राह म मिल जाय।
राजपुर शहर कमल क्षेत्र मा आवे, कौशल मा जातरी रुक जाय।
पुन्नी मेला जिहां भराये,
राजा बड़ धरमात्मा रहाय।
धरमी राजा ला सपना आये,
बिहिनिया मंतरी ला बुलाय।
चारों कोती के कारीगर मंदिर बनाये, फेर भगवान के मूरति बन न पाय।
रामपुर मा तैलिक परिवार रहे,बहू बेटा संगे तेल पेरत जाय।
राजिम बहू मरकी मा तेल उठाये, बीच नदी म तेल ढरक जाय।
राजिम मा तीन धार मिले,
पैरी सोढूर महानदी रहाय।
राजिम भक्तिन के कथा,
भगवान पथरा राह म मिल जाय।

आरूग आदिवासी - खोवा लाल बिसेन पोंड (गरियाबंद)

प्रकृति के पूजा करइया,
जल जंगल के सुध धरइया।
जेखर बोली म सुग्घर मिठासी हे,
हाँ संगवारी,
पहचान मोर आरुग आदिवासी हे।।

जंगल झाडी.ले हे मोर मितानी,
कांदा कुसा जिहां ले मिलत हे पानी।
जीव जंतु संग मोर रहवासी हे,
हाँ संगवारी,
पहचान मोर आरूग आदिवासी हे।।

सुनता के डोरी म सबो झन बंधे हे,
एक दुसर के सहयोग बर सबो झन खंधे हे।
छप्पन भोग हमर बर चटनी बासी हे,
हाँ संगवारी,
पहचान मोर आरूग आदिवासी हे।।

कला अउ संस्कृति के गढ़ हमर भुईंया छत्तीसगढ़ - खेमराज साहू पोंड़, छुरा, जिला- गरियाबंद

छत्तीसगढ़ प्रदेश ह अइसन राज्य हवय जेखर कला संस्कृति अपन आप म पूर्ण हवय अउ इही संस्कृति से छत्तीसगढ़ प्रदेश के चिनहारी होथे, कोनों भी देश या राज्य के पहिचान ओखर संस्कृति ले होथे काबर की संस्कृति एक अइसन तत्व हवय जेन ह उहाँ के लोगन अउ माटी ले जुड़े रहिथे|
धन्य-धान्य हमर छत्तीसगढ़ जिहा किसान मनखे हवय अउ उही किसान मनखे के फसल पैदावार ले आज छत्तीसगढ़ राज्य ल #धान_के_कटोरा" कहिथे, छत्तीसगढ़ राज्य ह 135194 वर्ग किलोमीटर म बगरे हवय जिहा 28 जिला हवय अउ ये राज्य ह 17.46° उत्तरी अक्षांश ले 24.5° उत्तरी अक्षांश अउ 80.15 पूर्वी देशान्तर ले 84.24 पूर्वी देशांतर के बीच स्थित हवय जेखर भौगोलिक स्थिति समशीतोष्ण होय के कारण लगभग 1200 मिली मीटर ले अधिक बरसा होथे|

#धान_के_कटोरा_कहे_के_कारण

कृषि प्रधान देश भारत के अइसन राज्य छत्तीसगढ़ प्रदेश ल "धान के कटोरा" ये कारण से कहिथे की छत्तीसगढ़ प्रदेश ह चारों कोति ले पर्वत, पहाड़ ले घिरे हवय,जेखर मध्य भाग कटोरा के आकार म मैदान हरय अउ मैदानी भाग म धान के पैदावार बहुतायत म होथे जेखर कारण #धान_के_कटोरा कहिलाथे|

#उत्तम_किस्म_के_धान

कृषि के क्षेत्र म अग्रणी राज्य छत्तीसगढ़ म धान के पैदावार अधिक होय खातिर लगभग 10000 ले अधिक प्रजाति होय हे तेकर सेती इहा के किसान फसल बहुतायत हे|
कुछ प्रजाति हीरा, जायफुल,शताब्दी, 1010, इंदिरा, सोना, समलेश्वरी, दंतेश्वरी, नर नारी आदि|

#अपन_माटी_अउ_संस्कृति_म_किसानी_तिहार

धन्य धान्य ले भरपूर छत्तीसगढ़ जेखर उत्पादन करइया किसान हरय अउ ये फसल के उत्पादन माटी, संस्कृति ले जुड़े हवय, हम छत्तीसगढ़ वासी किसान होय के सेती मानसून के लगती म माटी ल महतारी मानके ओखर पूजन करथन अउ भुंईया म नांगर जोत के बीज बोथन ,

जिनगी के गोठ - नोकेश तांडे अर्जुनी (गुरुर) बालोद

धीरज म जी काम बनथे,
हड़बड़ी म होथे उजाड़।
धीर बरसा म खेत पलथे,
जादा म आ जथे बाढ़!!

रूप रँग के का गुमान,
यहु ह एकदिन ढल जहि।
हाड़ मास के काया ह,
राख म जी बदल जहि!!

जिनगी हेबे जब तक,
मिठ मिठ गोठियाना हे।
बनेच रहिस जी अइसे,
सूरता करे ये जमाना हे!!

जिनगी भर भागथन,
ये पेट के दु कांवरा बर।
जियें बर जरूरी हे,
नेति जइसे भाँवरा बर!!

ओ मनखे नोहे जी,
जेन दूसर ल फंसा देथे।
मनखे उहि हरे सँगी,
जेन रोवत ल हँसा देथे,
जेन रोवत ल हँसा देथे...

शेष ... कला अउ संस्कृति....

हम ये भी कहि सकथन की छत्तीसगढ़ के किसान मन के सबले बड़का तिहार होही त किसानी बुता के तिहार होही काबर किसानी बुता के सुरूवात ले फसल के कटाई- मिंजाई तक माटी के पूजन ल संस्कृति ले जोड़थन....जेमा किसान मन के तिहार हरेली आथे जेन ल घर परिवार के लोगन संग मिलके मनाथन जेमा खेती खार बुता ओ दिन बंद रहिथे अउ ये हरेली तिहार म किसानी बुता के औजार के पूजन होथे जेमा हुम के रूप म चाउर के चिला अउ गुड़ के उपयोग होथे, हरेली के तिहार किसान मन के पहिली तिहार हरय जेमा धरती ह अन्न माता के हरियर रूप आए रहिथे जेन ल हम अपन संस्कृति मानथन, अउ उही संस्कृति म आज किसान मन अपन किसानी बुता म घलो हाना, ददरिया, लोक गीत के प्रयोग करत किसानी बुता म लीन हो जथे अउ फसल कटाई के समय घलो अन्न ल माता मान के पूजा करके ओखर घर म सुवागत करथे|

#किसानी_बुता_म_मानसून_जुआ

छत्तीसगढ़ समशीतोष्ण प्रदेश होय के खातिर जम्मो किसानी बुता मानसून पर ही आधारित हवय, किसान ह जब मानसून के अगोरा करत रहिथे तो कई बार अइसे होथे की फसल उत्पादन के बेरा जउन पानी चाहिए रहिथे फेर ओ पानी समय म नई गिरे या फसल तक पानी नई पहुँच सकय त जेन कर्जा बोड़ी करके फसल उत्पादन करथे अउ जब उत्पादन सहीं नई होय त कतको किसान दुखी होके आत्महत्या घलो कर लेथे तेकरे सेती किसानी बुता ल मानसून के जुआ कहिथे|
#कला_संस्कृति_के_गढ़_हमर_छत्तीसगढ़_अउ_कृषि_प्रदेश म माटी ले संस्कृति ल जोड़ के महिला- पुरुष मिलके किसानी

हे गणतंत्र - मदन मंडावी द्वारा, डोंगरगढ़ (राजनांदगांव)

विचलित ना हो कुंठित ना हो,
मेरा भारत में लोकतंत्र।
अजीब से हमने नजारा देखा,
लोकसभा के सदन।
शपथ है या कोई मुकाबला,
या है कोई आपसी द्वंद।
चुनावी कुरुक्षेत्र में कह गए ,
वहीं ले गए लोकसदन।
खण्ड- खण्ड खण्डित विचार,
जनता करें अब चिंतन।
यह भारत अखण्ड कैसा हो,
शांति प्रिय बने वतन ।
क्यूं अधिकार छिनने लगे हैं,
हो रहे हैं कहीं हुडदंग।
समानता,बंधुत्व भाईचारा का,
क्यों हो रहा है हनन ।
हे जननायक तुम्ही विनायक,
क्यों रचते हो षड़यंत्र।
धरा सिंहासन भी हिल उठते,
मानवता हो जाता भंग।
अपने ही लोग पराये लगते,
कितनों हुए गठबंधन।
छोर - छोर बाहें फैला कर,
मिले गलें,का हो प्रबन्ध।
और कितनों को तुम बाँटोगे,
क्या है संदर्भ प्रसंग।
हम मुगल अंग्रेजों से लड़ें हैं,
दिखा एकता में दम।
आज अपने देश में लड़ रहे हैं,
एक दूसरे से हम।
क्या हर्ज है तुम्हें बोलने में,
वंदे भारत मातरम् ।

संतुलन जरूरी है... #हसदेव, लेखक - किसुन लाल साहू कसही कला (अर्जुन्दा) बालोद

'परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है।'

यदि यह परिवर्तनशीलता ना होती तो मनुष्य आज भी कंदराओं में रह रहा होता, पत्थर रगड़कर आग जलाता और वृक्ष की छाल से अपना तन ढकता। परंतु 'आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है।' मनुष्य के महत्वाकांक्षी आवश्यकताओं और विज्ञान के अभूतपूर्व सहयोग से हम आज जंगल से निकलकर मंगल और चंद्रमा में मानव बस्ती बसाने में लगे हुए हैं।

एक छोटी कथा के माध्यम से मैं अपनी बात कहना चाहता हूं...

नगर के बाहर एक साधु कुटिया बनाकर रहता था। एक शाम उसने देखा की काले कपड़ों में एक भयानक स्त्री उड़ते हुए शहर की ओर चली आ रही थी।

साधु ने स्त्री से से कहा - ठहर जा! कौन है? और यहां क्यों चली आ रही है?

स्त्री ने कहा- मैं महामारी हूं और मुझे प्रकृति ने इस नगर में 300 मनुष्यों के प्राण लेने का आदेश दिया है।

साधु ने कहा - यह नगर मेरा पोषण करता है और मेरे होते तुम यहां के लोगों का अहित नहीं कर सकती हो।

स्त्री ने साधु से कहा - यहां के लोगों ने पिछले 1 वर्ष में अपने रहने, मकान बनाने तथा अन्य कारणों से करीब 300 वृक्षों को काट डाला। ये वृक्ष पर्यावरण को संतुलित करते थे और लोगों को स्वच्छ हवा प्रदान करते थे। इसी कारण प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने हेतु 300 मनुष्यों को मारना आवश्यक है। मैं भी प्राकृतिक आदेश से बंधी हूं भविष्य के लिए यह करना आवश्यक है।

तब साधु ने उन्हें रूखे मन से जाने का इशारा किया। एक सप्ताह के पश्चात महामारी रूपी स्त्री लौट रही थी, साधु ने देखा की महामारी के दोनों हाथों में करीब 300 लोगों के प्राण थे और करीब 2700 प्राण उनके पीछे-पीछे चले जा रहे थे।

साधु ने कहा- ठहर जा! तू तो केवल 300 वृक्षों के काटे जाने पर 300 प्राण लेने आई थी परंतु तेरे पीछे तो करीब 3000 जाने जा रही है।

महामारी ने कहा- साधु महाराज मैंने तो केवल 300 लोगों की ही जानें ली है परंतु ये मनुष्य बड़ा ही डरपोक है, महामारी के डर से 2700 लोग मर गए, इनके मरने में मेरा कोई हाथ नहीं है।

'प्रकृति, जीवन देती है और पुरुषार्थ प्रकृति के दिए हुए जीवन को सशक्त बनाता है।' पृथ्वी पर पुरुष और प्रकृति के बीच का ताल-मेल उसी प्रकार होना चाहिए जिस प्रकार भगवान शिव और माता पार्वती के अर्धनारीश्वर रूप में है।

विगत वर्षों में, मनुष्यों ने प्राकृतिक संसाधनों का जिस तेजी के साथ दोहन किया है उससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ सा गया है। यदि हमने समय पर ध्यान नहीं दिया तो प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए कोरोना जैसी महामारियां आयेंगी और 300 के बदले 3000 जान लेकर जायेंगी।

हमें सोचने की आवश्यकता है कि हमें किन मूल्यों पर विकास चाहिए।

जल, थल, वायु, वन आदि प्राकृतिक संसाधन हमें प्रकृति द्वारा निशुल्क प्रदान किए गए हैं इनका समुचित उपयोग करें और प्रदूषण ना फैलाएं। आने वाली पीढ़ियों को भी सिखाएं ताकि मानव समाज, विकास की प्रगति पर निरंतर प्रगतिशील रहे...

नए कानून, ई-साक्ष्य एप, जीरो FIR, ई-एफ.आई.आर के संबंध में विवेचको को दिया गया प्रशिक्षण

बालोद। पुलिस कार्यालय बालोद के सभा कक्ष में पुलिस अधीक्षक एस.आर भगत के उपस्थिति में जिले के अधिकारी कर्मचारियों को अति. पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार जोशी व एसडीओपी देवांश राठौर एवं CCTNS ऑपरेटर के द्वारा नए कानून के तहत प्रोजेक्टर स्क्रीन के माध्यम से e-sakshya एप्प यूजर इन्टरफेस के बारे में बताया गया. साथ ही जीरो FIR, e-F.I.R के बारे मे अवगत कराया गया । किए गए फोटो वीडियो ग्राफी की हैस वैल्यू निकालने के बारे में जानकारी दिया गया । 1 जुलाई से लागू होने वाले तीनों नए कानून के सम्बंध में वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के पालन करने के सम्बंध में निर्देश दिया गया। 1 जुलाई को नए कानून के व्यापक प्राचार करने थाना चौकी में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कोटवारो, व्यापारीगण, एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिको को आमन्त्रित कर भव्यता से कार्यक्रम आयोजन करने निर्देशित किया गया । उक्त प्रशिक्षण में डीएसपी श्रीमती गीता वाधवानी, डीएसपी राजेश बागड़े व थाना प्रभारी समेत अन्य अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित हुए।

बर्फ में बदल गया वासुकि ताल, नए साल की शुरुआत बर्फ़बारी से

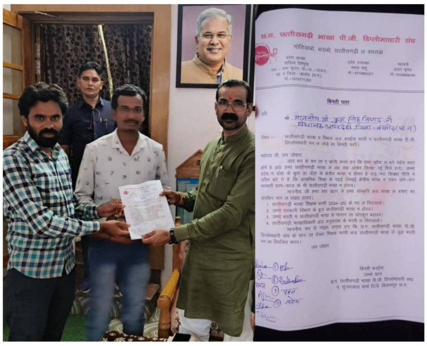

बालोद। स्कूल शिक्षा में छत्तीसगढ़ी भाषा ला लागू करे के खातिर विधान सभा में प्रश्न पूछे बर पीजीडीप्लोमा छात्र गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद से गोहर लगाईस हे।राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार छत्तीसगढ़ी भाषा में पढ़ाई लिखाई अभी तक चालू नहीं हुआ है जबकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषा में पढ़ाई करना निश्चित किया गया है तथा अभी तक छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम को स्कूल शिक्षा में शामिल नहीं किया गया है. इस कारण पीजी डिप्लोमा छात्र-छात्रगण विधायक से विधानसभा में प्रश्न उठाने की मांग किया है तथा कुंवर सिंह निषाद ने आश्वासन दिया है कि वहां आप लोगों के मुद्दा को विधानसभा में प्रश्न काल में उठाएंगे. आवेदन देने लेख राम, यादिया देशमुख अध्यक्ष सिन्हा, डामेंद्र देवांगन , लोकेश देवांगन, नीरज पटेल आदि मौजूद रहे.

प्रवेश उत्सव प्राचार्य द्वारा किया गया मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन

उच्च माध्यमिक विद्यालय हर्राठेमा में भारत माता की मूर्ति का हुआ अनावरण

● **बालोद :** वनांचल में बसे शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हर्राठेमा में प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया। उसके बाद भारत माता की प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। तत्पश्चात् स्वामी विवेकानंद सभागार में नव प्रवेशी छात्र छात्राओं का सम्मान प्रभारी प्राचार्य सी एल कलिहारी एवं अतिथियों द्वारा गुलाल लगाकर मुंह मीठा करके एवं निशुल्क पाठ्य पुस्तक प्रदान कर किया गया। पूर्व प्राचार्य पी के देवांगन ने बच्चों को आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया एवं अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि शिक्षा के चौमुखी विकास के लिए हम सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है। नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं का अभिनंदन करते हुए शुभ आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृष्णा प्रसाद तिवारी, श्रीमती केशर देवांगन,धनउ राम गावडे, क्रांति कुंजाम, कस्तू राम निषाद, कोमल सिंह यारदा, श्रीराम पोर्ते, जागेश्वर नुरुटी, सरपंच जितेंद्र पटेल, अकबर सिंह कुंजाम, राम सिंह यादव, शिक्षक प्रमोद कुमार अवस्थी, प्रमोद कुमार ठाकुर, लता ठाकुर पिल्ले, रेणुका यादव, द्रौपदी सिंह, गीता देवांगन, लिखेंद्र सिंहा, शोभित कुमार पटेल, प्रयागराज ठाकुर, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती लता ठाकुर ने किया।

नवाचारी व रोचक ढंग से प्राथमिक व माध्यमिक शाला चिचबोड में प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन

बालोद/गुंडरदेही

विकासखण्ड गुंडरदेही के आदर्श शाला पूर्व माध्यमिक व प्राथमिक शाला चिचबोड में संयुक्त रूप से प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवप्रवेशी बच्चो का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। प्रभारी मधु नेताम ने अतिथियों द्वारा बच्चो को नई किताबो के साथ गणवेश वितरित कराई। संस्था की ओर से प्रधानपाठक संदीप जोशी ने उपस्थित पालक समुदाय व नव प्रवेशी बच्चो को शासन की योजनाओं व शालेय गतिविधियों से अवगत कराया व निरंतर अध्ययनशील होकर आगे बढ़ने की सलाह दी।संस्था में आयोजित कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक कैलाश साहू ने नए शैक्षिक सत्र की बधाई देकर संस्था के आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई।

नव प्रवेशी बच्चों के हाथ का लिया गया निशान-चहक उठे बच्चे

इस बार प्रवेश उत्सव में नवाचारी प्रयास किया गया. शुभ चिन्हों की तरह नवप्रवेशी बच्चों की हथेलियों के रंगीन निशान को उनके प्रथम आगमन की स्मृतियों के रूप में संजोने के लिए ड्राइंग शीट में लिया गया। बच्चो में काफी उत्साह एवं आनंद का संचार हुआ। इस कार्य में विद्यालय की उत्साही नवाचारी शिक्षिका पूजा साहू, बागेश्वरी साहू का विशेष सहयोग रहा।

शिक्षक मुकेश साहू ने कराया न्योता भोज

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक मुकेश साहू ने अपने पुत्र के आई आई टी में चयन की खुशी को साझा करते हुए न्योता भोज का आयोजन किया।उपस्थित अतिथियों व बच्चो के लिए स्वल्पाहार,खीर पूड़ी व मिठाई की व्यवस्था की गई।

स्मृतियों को संजोने शाला विकास समिति के सदस्यों ने किया पौधा रोपण

शिक्षा सत्र की शुरुआत को यादगार बनाने के लिए विद्यालय में विशेष पहल करते हुए पोषण वाटिका प्रभारी शिक्षक द्रोणकुमार सार्वा के निर्देशन में विद्यालय प्रांगण में सजावटी पौधे लगाए गए।जिसमे शाला विकास समिति,शिक्षक पालक समिति व छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।उपस्थित पालको के बीच से शाला विकास समिति का पुनर्गठन किया गया।जिसमें नरेंद्र पटेल,जितेश्वरी साहू को अध्यक्ष के रूप में पुनः मनोनयन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने विद्यालय के उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए भविष्य में स्तर को बनाए रखने की अपेक्षा की।एवम विद्यालय के विकास हेतु सतत संकल्प को दोहराया।इस अवसर पर विद्यालय के विकास के कुछ प्रस्ताव भी परित किये गए। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जनपद सदस्य तेजराम साहू,ग्रामीण अध्यक्ष ढालसिह साहू,विधायक प्रतिनिधि जगदीश साहू,शाला विकास समिति अध्यक्ष नरेंद्र पटेल,सरोज साहू,जितेश्वरी साहू,रोहित देवांगन,जीवन लाल ठाकुर ,टीकम सेन,भेनु देवांगन, शिव निर्मलकर,सरिता महिपाल,प्रेमलता साहू,कविता ध्रुव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक पालक समिति ,ग्रामीण जन,पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे कार्यक्रम का कुशल संचालन विद्यालय के शिक्षक डी के साहू ने किया।इस कार्यक्रम में भीषम साहू,लवकुश देवागन का सहयोग मिला।

गन्ना किसान संघ ने रखी विधायक के समक्ष अपनी समस्या

गुरुर| जिला गन्ना उत्पादक किसान संघ द्वारा प्रदेश के गन्ना किसानों को समर्थन मूल्य 291 रुपए के अलावा 200 प्रति क्विंटल मांग के संबंध एवं शासन से जानकारी लेने के संबंध में संजारी बालोद विधायक संगीता सिन्हा से सौजन्य मुलाकात किये। विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा से जिला गन्ना किसान संघ द्वारा अवगत कराया गया कि इसके पूर्व में कांग्रेस की भूपेश सरकार द्वारा गन्ना किसानों को 355 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी किया जा रहा था किंतु वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा गन्ना किसानों के लिए अब तक प्रोत्साहन राशि की घोषणा नहीं की गई है. जिसके चलते गन्ना किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। संघ के संरक्षक छगन देशमुख ने विधायक को जानकारी दी कि जिले में एकमात्र दंतेश्वरी मैया शक्कर कारखाना संचालित हो रहा है. जिसे भी पर्याप्त मात्रा में गन्ने प्राप्त नहीं हो पाता. उन्होंने बताया कि अगर राज्य सरकार द्वारा गन्ना किसानों को समर्थन मूल्य के अलावा प्रति क्विंटल 200 प्रदान की जाए जिससे कि जिले में गन्ना की फसल की कमी नहीं होगी एवं किसान प्रोत्साहित होकर गन्ने की फसल लेंगे, किंतु राज्य सरकार द्वारा गन्ना किसानों को प्रोत्साहन राशि नहीं दी जाती है तो शक्कर कारखाना बंद होने की कगार पर आ जाएगा। इस अवसर पर गन्ना किसान संघ के संरक्षक छगन देशमुख उपाध्यक्ष गौचरण गजभीम संजय चंद्राकर कृपा राम साहू तेजराम साहू दुलारू राम साहू त्रिलोकी राम साहू चाणक्य यादव मनोहर लाल सहित गन्ना कृषक उपस्थित थे।

इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा 1000 पेड़ लगाने का लिया गया संकल्प

बालोद| नेशनल इंश्योरेंस अवेयरनेस डे के अवसर पर इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा 1000 पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया. जिला परिवहन कार्यालय ग्राम पाकुरभाट के सामने वृक्षारोपण का कार्य किया गया .ब्रांच मैनेजर आयुषी पांडेय ने कहा आज के इस तपते हुए माहौल में जो सबसे जरूरी है वह है वृक्षारोपण. आप यदि अपने आसपास अधिक से अधिक वृक्षारोपण करते हैं उससे ही हमारी प्रकृति का संतुलन बनाने में हमारा योगदान हो सकता है प्रकृति पर नियंत्रण और जीवन की शक्ति बनाए रखने के लिए वृक्ष का लगाना आवश्यक हो गया है प्रकृति पर नियंत्रण और जीवन की शक्ति बनाए रखने के लिए वृक्ष का लगाना आवश्यक हो गया है.पेड़ पर्यावरण को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं. यदि अधिक पेड़ लगाए जाए तो दुनिया पर्यावरण में रहने के लिए सुनिश्चित स्थान बन जाएगा. हर व्यक्ति कम से कम एक पेड़ तो अपने जीवन में केवल लगाए ही नहीं बल्कि उसे तब तक संरक्षण का संकल्प ले जब तक कि वह वृक्ष बनकर तैयार ना हो जाए. प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग को अगर कोई बचा सकता है तो वह वृक्ष है और हमारे द्वारा लगाए गए पौधे ही है. इसलिए प्रकृति के लिए पर्यावरण के लिए अपने लिए आगे आए इस अवसर पर यातायात एवं बीमा सलाहकार प्रोपराइटर खिलता गंजीर , होमेंद्र गंजीर, ओम प्रकाश साहू, मनीष साहू, सुषमा बंजारे एवं गायत्री पटेल उपस्थित रहे.

आज से नई सुविधा ; ड्राइविंग लाइसेंस गलत पते के कारण वापस लौटने पर परिवहन कार्यालयों के माध्यम से मिलेंगे

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर आम नागरिकों को एक और नई सुविधा परिवहन विभाग के माध्यम से मिलने जा रही है। ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र आवेदक द्वारा दिए गए पते पर नहीं पहुंचने पर आवेदकों को उनके जिले के क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय और जिला परिवहन कार्यालयों के माध्यम से वितरित किए जाएंगे। परिवहन विभाग द्वारा यह सुविधा एक जुलाई से लागू की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष यह बात सामने आई कि परिवहन विभाग द्वारा डाक के माध्यम से भेजे गए कई ड्राइविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र पता सही नहीं होने के कारण नया रायपुर स्थित परिवहन विभाग के मुख्यालय इन्द्रावती भवन में वापस लौट आते थे। ऐसे आवेदकों को अपने ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए नवा रायपुर आना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने आवेदकों की दिक्कतों को महसूस करते हुए परिवहन विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए कि किसी वजह से अप्राप्त रहे ड्राइविंग लाईसेंस तथा पंजीयन प्रमाण पत्र संबंधित जिले के क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय, जिला परिवहन कार्यालय के माध्यम से वितरित किए जाए।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अस्पष्ट अथवा अपूर्ण पते के कारण नवा रायपुर स्थित परिवहन मुख्यालय लौटने वाले ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र लेने के लिए नवा रायपुर आने की जरूरत नहीं होगी। आवेदक संबंधित कार्यालय से वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने चालक लाईसेंस अथवा पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगें। इस संबंध में परिवहन विभाग द्वारा सभी अधीनस्थ कार्यालयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

कक्षा प्रवेश पर गोड़ेला में ली गई बच्चों के हाथों की रंगीन छाप

सेल्फी पॉइंट ने भी मोहा मन ,बच्चों को विद्यालय से जोड़े रखने हुआ नवाचार

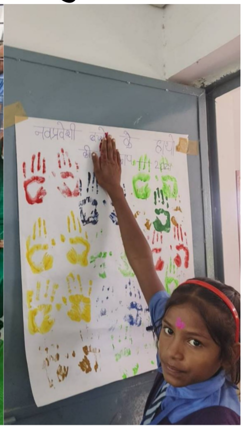

● बालोद: शास पूर्व माध्य व प्राथ शाला गोडेला संकुल केंद्र देवरी द में विशेष नवाचार के माध्यम से शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया. जिसमें कक्षा पहली और छठवीं में प्रवेश लेने वाले बच्चों के दोनों हाथों का रंगीन करके ड्राइंग शीट पर निशान लिया गया. सेल्फी पाइंट से बच्चों का मंत्रमुग्ध हो गया. जिसे कक्षा पहली और छठवीं में ही चिपकाया गया. ताकि बच्चे हर दिन आएंगे तो देखेंगे कि मैं जब स्कूल में भर्ती हुआ तब का यह मेरा दोनों हाथ का निशान है। सर्वप्रथम नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर गुब्बारा पुस्तक और गणेश वितरण किया गया. बैलून देकर बच्चो के चेहरे में खुशियां लाई गयी. उसके बाद प्रधान पाठक रमेश कुमार हिरवानी द्वारा प्रवेशोत्सव व शाला के विकास पर प्रकाश डाला व शिक्षक प्रतिभा त्रिपाठी द्वारा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के संदेश का वाचन किया गया। न्योता भोजन भी कराया गया. जिसमें खीर पुड़ी,चावल, दाल सब्जी बच्चों को खिलाया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच ग्राम पंचायत गोडेला रामेश्वर ठाकुर , शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष सत्यवती गायकवाड़ , साधना गायकवाड, नीलेश साहू , शिक्षाविद संतोष कुर्रे ,जोहन बंजारे तथा समस्त पालक एवं अन्य ग्रामीण व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। साथ ही प्रतिभा त्रिपाठी द्वारा शासन के विभिन्न योजना जैसे निशुल्क का पाठ्य पुस्तक, निशुल्क गणेश, छात्रवृत्ति एवं अन्य योजनाओं के बारे में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया एवं संतोष कुर्रे व जोहन बंजारे के द्वारा अनुशासन व बच्चों के रखरखाव व शिक्षा पर प्रकाश डाला गया. इस कार्यक्रम का संचालन प्रतिभा त्रिपाठी ने किया. साथ ही विद्यालय के स्टाफ सनत देशमुख , संतोष शर्मा व दोमन ठाकुर के द्वारा कार्यक्रम को समायोजित तरीके से सम्पन्न किया। कार्यक्रम का समापन व आभार शास प्राथमिक शाला गोडेला के प्रधानपाठ शोभाराम देवांगन ने किया.

खोरदो के स्कूल में बाउंड्री वॉल हो गया है तिरछा, पेड़ के सहारे टीका, कभी भी हो सकती है बड़ी दुर्घटना, शासन प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

बालोद/गुरुर

गुरुर जनपद पंचायत की जनपद सदस्य संध्या अजेंद्र साहू जो पूरे गुरुर ब्लाक में लगातार सक्रिय रहती है, आज जब वह प्रवेश उत्सव के अवसर पर प्राथमिक शाला खोरदो पहुंची तो हैरान रह गई। प्राथमिक शाला खोरदो के स्कूल प्रांगण में जो बाउंड्री 10 साल पहले बनी हुई है, वह तालाब के पार के दबाव में तिरछा होकर टूटने के साथ साथ पूरी तरह जर्जर व गिरने के स्थिति में है। एक पेड़ के सहारे लटकी हुई है। छोटे छोटे बच्चे इसी बाउंड्री वाल के अंदर खेलते कुदते है । जनपद सदस्य ने कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका जताई है और तुरंत इस बात पर संज्ञान लेकर कलेक्टर और जिला सीईओ को अवगत कराई है कि विगत तीन साल पहले पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और संजारी बालोद के वर्तमान विधायक संगीता सिन्हा जो कि विगत 15 साल से राज कर रही हैं, पर ग्राम खोरदो मे पता नही क्यों कोई विकास कार्य नही करा पाई है? इनको भी अवगत कराया गया था पर हुआ कुछ नही। गांव वालों के हाथ में झुनझुना पकड़ा दिये। जल्द से जल्द बाउंड्री वाल को गिरा कर पुनः निर्माण कराये ताकि बच्चे देश के भविष्य है और उनकी सुरक्षा हमारा और शासन प्रशासन का फर्ज है, इस बात को ध्यान में रख कर कार्य करने की आवश्यकता है।

क्या बाउंड्रीवाल के गिरने का इंतजार कर रहें हैं अधिकारी और कर्मचारी? : संध्या अजेंद्र साहू जनपद सदस्य